

The Oxford
College of Science



ନାମ : ରିତ୍ସା

ପାଠୀ : ପ୍ରଦୀପ

19BN1585306

(III) sem. BSC
(SMG)

ପାଠୀ

ନାମ : ରିତ୍ସା
ପାଠୀ : ପ୍ରଦୀପ
କାନ୍ତାଜିଲ୍ଲା
ମାଧୁମତ୍ତିମ୍ବ
ବିଷୟାମତ୍ତି ଆମ୍ବିଲିଂଗ



No	Topic	Page No
01.	मलौबल वासिंहा	1-2
02.	मलौबल वासिंहा के फ़िल्में 3-5	
03.	मलौबल वासिंहा का प्रसार 5-6	
04.	CQ, का प्रभाव 7-8	
05.	धनतक परिणाम 9-10	
06.	मुलौबल वासिंहा का भवाधान 90	
07.	निष्कर्ष ॥	101

अक्षरी के वातावरण के लापसान में
लगातार ही रही विषुवायी बहातरी
के हुआका वासिंग होता है।



अक्षरी

अक्षरी

- जमीन - वाता :-



आज के शाय में गलोबल - वार्मिंग इक बड़ी - पर्यावरण अमर्या है।

जिसका हम भव जानना कर रहे हैं। तथा जिसका अभाधान चाही इनपर से कारबा आवश्यक हो गया है। वास्तव में प्रदूषक के स्तर पर विंतह तथा उद्यायी शृंखला तापमान का बढ़ना गलोबल - वार्मिंग पर किया जा सकता है। इसी देख से यही दोनी चाहिए।

वातावरण पर कार्बन डाइऑक्साइड का धनिकायक प्रभाव



पूर्णी दर CO_2 में दृष्टि से, निश्चित और कानूनी तरीकों
का बहुता, गम्भीर तेज फूलन की कार्यालय दृष्टिया
अपश्लेषणार्थी और अन्यायी एकत्रित, ओजान परिवर्तन का
एकात्मक प्रयोग, बढ़ - आई बाहिरी भूखंड, भौजन
की कमी, बढ़ - भारी बारिश तथा बहुत दूर्याति
भौजन जीवन पर काफी हुए सक दर भौजन दूर्या
हैं। अधिकांश तुंडल के दृष्टिया, अर्क्षणीय
भौजन से उपचोल दून बनता है।

वा

प्राचीन वास्तविकी की वित्तीय संस्कृति, प्रश्नाएँ

⇒ धर्मोकाल वास्तविकी की वित्तीय में बहुत ही ज्ञापन तो यह पर धर्मोकाल वास्तविकी के पश्चाव देखा जा सकता है।
उस भूतकाल में वैर्वक्षण (एस अॅलोगोनिक शून्य) के अनुभाव मोहाना गतिशील नेहनल पाक पर इन गतिशील मौजूद के घर वर्ग वर्तमान के भवित्व के बारे में वर्तमान में भवित्व वृद्ध गतिशील छन्दों हैं।

⇒ आधिक भूवर पर जलताय में ऊर्जा (वैज्ञानिक) के उपरी भूतक यह ठंडा तजा और अमृण का विकल्पिक सदा भावाव के गर्भ द्वेष में) लेकर तुफाल अधिक वृक्षतत्त्वाक, शाकी गृहीती और मूल्यवान जाता है। 2012 की 1885 के बाद यूरोपी गर्भ वर्ष दूरी किया दूरी की 2003 की 2013 के ज्ञाप भावना वृद्धि दृष्टि वर्ष में देखा जाया है।

ପାତ୍ରମାନ କିମ୍ବା ପାତ୍ରମାନ କିମ୍ବା

● गांधीन दृष्टिकोर्म मेंका CO_2 मीटिंग, कुर्याई बढ़ते
एलान्जिल वासिना सुखदया कार्यक्रम है। इसका अधिका प्रबोधन
महात्मा गांधी का विश्वास, धियानपूर्ण बर्क भी यहाँने
ठाठोड़ीय, अपशंख्यात्मित जलवाया परिवर्तन कर देता है।
इस अविवाक और बढ़ते महात्मा के संकारण का प्रभाविति घिल
जाता है।

मानव जीवन के बहुत संसार के कामों विसर्जन
भागाद्यति के साधन से तापमान में बहुत अधिक
बढ़ायी आयी है। जिसके पाल शिवाय ऐतिवाक पर
पर पर भी नहीं रख सकता। इसके फल से भागतों
भागतों के लिए व्रती व्रती व्रती व्रती व्रती व्रती

前半部は1983年、後半部は1987年、1988年、1989年である。



पूर्व का सौम्य , बर्फ के गहरानी का प्रियतना
तापमान का बढ़ना , हवा परिवर्तन में अलग
भौमिका वर्षा का दौना , और जल
बदलाव में देहर मारी हुई जल धूतना , चक्काशत
परस्पर और उसी तरु के अंतर परमावत है।

ज्यादा लाभकारी कृषि प्रणाली

परमावधि के वासियों का परमावधि

हेलोकॉल वासियों के सतरोंते में छहदू ते साथ और परमावधि के परवाल देखो जा - अमरा है - US अधिकारीय अर्थशास्त्र (US-Geological Survey) के अनुसार मोटाना है कि यह नेशनल-पाइ एवं 150 नेशनल बैंकों द्वारा वासियों के वज़द के बतमाल में भासर 25 हल्डियर कर्त्ता आधिक स्तर पर जलवायु में भासत? में विवरिति तला तापमाल से अचि (वायुमंडल) के ऊपरी सतह पर हुई तला कीरिकंधीय मद्दा साधार के असरी सतह पर से) लेकर दुफाल अधिक रवतखाम, शाकिराली के गाम धौंग मानकूल लेव जोते हैं। 2012 को 1885 के बाद सबसे चार्न वर्ष दर्ज किया है, तला 2003 को 2013 के साथ हमें वर्ष के इस में देखा गया है, हेलोकॉल वासियों के फैल दृष्टिय वारावरण के लिए वालु में, बढ़ती गर्मी का मौसम होता।

परमाव :-



⇒ हृषिे लोकल वासिंग में अन्याधिक हातु किया-
जिसके प्रभावशैली पश्चिमी आपदा औं का
अनधीरीप पश्चिमी भारत को आया।

अस - बाटे - पक्षवाह , सुनामी , ज़मी
झोजन की कमी , कमी , प्रदूषण
प्रदूषण ,
प्रदूषणी ल शेग , मरुज आदि हुए कारण
परमाव के घटना प्रकार हुई हैं।

प्रतीकान् पार्श्वान् का समाचार

प्रस्कारी एजेंसियों, घावसाय परद्यान, निजी थोर, N90s
आदि दूसरा बारा लघुतुल से कार्यक्रमः ठबोकल वार्मिंग कीम
कर्जले के लिए जलासंतव्या किरणाविभाग लिए जाते हैं।
ठबोकल वार्मिंग के बजाए से पहुचने वाले स्कूटि में कुछ कार्य
एवं है (बैक फ़िल चेटानो का लिधना) यिन्हें किसी भी भौमिका
के मध्यामे में धून याप्त किया किया जा सकते हैं। जो चीजों
में स्टेल नहीं आयीं और सज्जों के प्रभाव को कम करने
के लिए इसे ग्रहिण धरास का उत्सर्जन किया करता
जानहार तव्या लातावश्य के दो रुद्ध फ़ूल अल्पाषु जोवणी से
जला आ रहा है। इन अपनों की कोई कठिनी चाहिए।/
हैंड का गोसम बर्फ के घटानों का विधान तपालन का

बदला; धूवा दीर्घसंचया। छटनी छों क्षुलभ तिन गोसम के
वर्षा का घोना, ओलोन परत में दृढ़त बारी तुफाल की धरण
एक शैतान, सुखा, बाद और दूसरी के अंतर्क परम्परा है।-

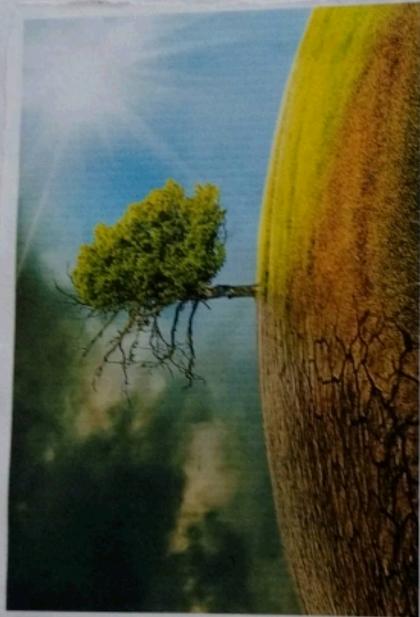
यह दृश्यमें से प्रकृति के अंतर्लन, जैव विविधता तथा
जलवायु परि विधों को परमाप्रीत करती है। पर्यावरण
में कार्बन टाइ ऑक्साइट के मानदेश में वृद्धि के कारण
प्रथमी के भूत्ते पर विवर तापमान का बढ़ा
जलवाया वर्षिता है। प्रथमी का बढ़ता तापमान विविध
आशवा और (ज्ञायों) को उस देता है। आधा ही हुआ
प्रश्न पर जीवन के अस्थिति के अंकर पैदा करता है
जलवाया वर्षिता है। ऐसा शब्द है जिसके अन्तर्मान दृष्टि

परिचित है।
इसका क्षम्य अस्ति भी दृम्य में से अधिकांश के लिए
चाह नहीं है। तो, जलवाया वर्षिता कुछी की आशन
वायनवरण में समर्पण तापमान से क्रियिक तृप्ति को सदाचारी
करता है।

विषित वायनविधया दृष्टि है जो दृष्टि -
दृष्टि तापमान के दृष्टि है। जलवाया वर्षिता दृष्टि
दृष्टि दृष्टि वर्षिता को लेजी भी विधाया दृष्टि है।
दृष्टि वर्षिता के आधा हुस्तों के लिए भी बहुत दृष्टिकारक
दृष्टि वर्षिता के आधा हुस्तों के लिए भी बहुत दृष्टि
दृष्टि वर्षिता के लिए भी बहुत दृष्टि है।

यह छाने से परखति करता है। परमाणु का वृक्ष का रूप में बदला दिया गया।

विचरण



जलोबल वाकिंग के वर्णन से जैसा पट इक्टरी बढ़ता जा रहा है। - क्षेत्र के लिए दुरी आदतों का नाम करना व्याहिर योक्ता एवं १०२ के सार में हृषि कर कर रहा है। और जिन गरिम धरम औस के परमाणु के वजह से हृषि का तपाल बढ़ता है। - यहाँ वृक्षों का अच्छाइन बढ़ाई पर शेष लगान याहिर, निजी का उपयोग करना याहिर, कक्षी के मूला नह त करना याहिर आदि । - हालोहल विजी कम करने का उपाय, घोने विजी के स्थान पर ७०८८ ऊची और शौर ऊची, पक्का ऊचा-भू-गप्ति ऊची दृश्य। उत्पादित ऊची का अमयोजा करना याहिर, कोयला फेल के जल्ल के भूतों का करन याहिर। - वरिष्ठन और ईलिस्टिस उपकरण का उपयोग करन वृक्षों। योगा-हलोबल-वाकिंग का सर्व लाभी छ तक कम होता।-